का संकेत प्रकाशित भी हो गया है कि अगर आणविक संधि पर भारत सरकार ने हस्ताक्षर नहीं किये तो अमरीका गेहूं की सप्लाई रोक देगा और उससे हमें अन्न मिलने की आशा नहीं रहेगी। क्या सरकार अपने अन्न संग्रह के कार्य को और तेज करेगी और जो लक्ष्य उसका है उस को भी कुछ बढ़ा कर रखने का विचार करेगी ?

श्री जगजीवन राम : अभी कुछ देर पहले प्रोफेसर रंगा के प्रश्न के उत्तर में मैंने इन दोनों प्रश्नों का जवाब दे दिया है।

श्री बसराज मधोक : पंजाब के अन्दर कीमतें प्रोक्योरमैंट प्राइस से नीचे नहीं होने दी जायेंगी यह ठीक बात है लेकिन पंजाब के अन्दर इस बार बम्पर क्रौप है और लगभग 8 लाख टन प्रोक्योरमैंट करने वाले हैं। अब के फसल इतनी अच्छी नये बीजों के कारण हुई है तो मैं जानना चाहता हूं कि यह नये किस्म के बीजों के कारण अधिक अन्न पैदा हुआ है उन अच्छे बीजों की वेराइटीज को अलग स्टोर करने की व्यवस्था की जायगी ताकि किसानों को फसल बोने के समय मुनासिब दामों पर यह अच्छे किस्म के बीज मिल सकें और उन्हें वह बीज 5-5 रुपये किलो पर न खरीदने पड़ें मुनासिब दामों पर किसानों को यह उन्नत किस्म के बीज पर्याप्त मात्रा में मिल सकें ?

श्री जगजीवन राम : कई एक वैराइटीज बीजों की ऐसी हैं जिनके कि मिलने के बारे में कोई कठिनाई नहीं है और जरूरत से ज्यादा बीज सुलभ रहते हैं। सिर्फ उन बीजों के बारे में कठिनाई होती है जिनके बारे में हमारे वैज्ञानिक कुछ प्रयोग करते होते हैं और वह इस स्टेज पर नहीं पहुँचे हैं कि हम उन को किसानों के लिए छोड़ सकें लेकिन किसानों को चूंकि वह इंटरैस्टैड होते है इसलिए उन्हें पता चल जाता है कि कुछ चमत्कारिक बीजों के ऊपर प्रयोग हो रहा है और उन बीजों को प्राप्त करने की उन में एक उतावली रहती है और वह ऐसे उन्नत बीज 100 रुपये और 150 रु० क्विंटल तक खरीद कर उसे बोना चाहते हैं और ऐसी स्थिति में इस की दिक्कत आती है। अलबत्ता इस तरह के बीज जिनके बारे में हमारे वैज्ञानिकों ने कह दिया है कि किसान उन का इस्तेमाल कर सकते हैं उन के बारे में हमने आवश्यक कार्यवाही कर ली है और वह किसानों को आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे ?

Land under Rabi Crops in Bihar and West Bengal

*1451. SHRI BENI SHANKER SHARMA : Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) the acreage of land brought under wheat and other rabi crops cultivation during this rabi season as well as in the last rabi season in West Bengal and Bihar ;

(b) the portion of it which had proper irrigation facilities and the portion which depended on chance rains ; and

(c) the arrangements which Government are making to provide irrigation facilities to those areas which get good harvest depending only on rain water ?

THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI JAGJIWAN RAM) : (a) to (c). A statement is placed on the Table of the Sabha. [*Placed in Library. See* No. LT 1025/68].

श्री बेणीशंकर शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी जानते हैं कि जहां तक बिहार और पश्चिम बंगाल का प्रश्न है वे चावल खाने वाले प्रदेश थे किन्तु सरकार की भिक्षा वृत्ति की नीति के कारण और अन्न ऋण लेने की नीति के कारण उन की कृपा से पश्चिम बंगाल और बिहार के लोगों ने भी गेहूँ और चना खाना सीख लिया है। अब जिस जमीन में धान पैदा होता है उस जमीन में अगर गेहूं भी पूरा पैदा किया जा सके तो हमारे यहां बंगाल और बिहार में अन्न की समस्या का

पूरा समाधान हो जायगा। लेकिन उन्होंने जो वक्तव्य दिया है उस से मालूम होता है कि अभी तक बिहार में सिंचाई की गई जमीन केवल 19 प्रतिशत थी और पश्चिम बंगाल में 16 प्रतिशत थी, इतनी ही जमीन पर सिंचाई का बंदोबस्त किया जा सका है। मैं मंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा कि चूंकि बंगाल और बिहार में लोगों ने गेहूं और चना खाना सीख लिया है तो वहां की सम्पूर्ण खेती लायक जमीन में गेहूं व चना पैदा करने के लिए क्या वे पर्याप्त सिंचाई की व्यवस्था करने की कृपा करेंगे।

श्री जगजीवन राम : माननीय सदस्य को यह जान कर प्रसन्नता होगी कि बिहार के कितने ऐसे क्षेत्र में जिसको आमतौर से समझा जाता था कि वह धान पैदा करने वाले क्षेत्र हैं वहां पर इस साल बहुत अच्छी गेहूं की फसल हुई है। जहां तक चने का सवाल है बिहार बहुत जमाने से चने की बहुत अच्छी फसल पैदा करता रहा है। और भी अधिक स्थानों में और क्षेत्रों में एक ही फसल नहीं बल्कि एक से अधिक फसल पैदा की जा सके इस के लिए तेजी से प्रबन्ध हो रहा है। बिहार सरकार जितनी तेजी से काम करेगी हम उतनी उनको उस में सहायता करेंगे।

श्री वेणीशंकर शर्मा : यह बड़ी प्रसन्नता की बात है कि आज हमारे किसान साल में दो, दो और तीन, तीन फसलें पैदा करने लगे हैं। अभी जब मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र (बांका) में गया था तो मैंने देखा कि वहां हमारे किसान जगह-जगह जहां पानी की व्यवस्था है ताइचून धान लगा रहे हैं। आज तक मैंने इन दिनों खेतों में कहीं धान नहीं देखा था और मुझे यह देख कर बड़ी प्रसन्नता हुई कि वहां आज कल ताइचून धान रोपा जाने के कारण जो खेतों में हरियाली देखने को नसीब हो रही है जोकि इस से पहले कभी देखने में नहीं आई थी तो क्या माननीय मन्त्री वहां सिंचाई के लिए किसानों को और भी अधिक मात्रा में पानी मुहैया किये जाने की व्यवस्था करेंगे क्योंकि वैसा करने से हमारे किसान बहुत आसानी से साल में तीन फसल पैदा कर सकेंगे। प्रश्न केवल पानी का है। मैंने बराबर मन्त्री महोदय से प्रार्थना की है, और आज भी फिर उन से प्रार्थना करूंगा कि कम से कम वे अपनी कैबिनेट से लड़ झगड़ कर पानी की व्यवस्था के लिए काफी रुपयों का इन्तजाम करें। चूंकि वे स्वयं भी बिहार से आते हैं इस लिये हमें उन पर बड़ा फख्र है। किन्तु अभी-अभी 1440 नं० के प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया है कि बिहार में प्राइवेट ट्यूबवेल 8,000 और स्टेट ट्यूबवेल 70 लगाये जा रहे हैं। जहां तक उत्तर प्रदेश का प्रश्न है वहां 570 स्टेट ट्यूबवेल लगाये जा रहे हैं और वेस्ट बंगाल में 450 लगाये जा रहे हैं। आखिर बिहार के साथ क्यों सौतेली मां का सा व्यवहार किया जा रहा है कि वहां सिर्फ 70 ट्यूबवेल ही लगाये जा रहे हैं?

श्री जगजीवन राम : पता नहीं कैसे माननीय सदस्य को सौतेली मां की याद हो आई। बराबर यह बात रही है कि बिहार की जितनी क्षमता खर्च करने की होगी और किसान कितना उतावलापन दिखलायेंगे उतना लैंड डेवेलपमेंट बैंक से उन्हें कर्जा मिल जायेगा?

Incentive Wages in Public Undertakings

*1452. **SHRI RABI RAY** : Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the preliminary studies conducted by the Labour Bureau have shown that where incentive wages have been introduced in the public sector undertakings, labour productivity has gone up ;

(b) if so, whether it is a fact that this problem was considered at a Conference of the Heads of public sector undertakings held on the 19th April, 1968 ; and

(c) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI HATHI) : (a) to (c). The question was discussed at